राजस्थान में eNWR के सामने ऋण देने के लिए राजस्थान मरुधारा ग्रामीण बैंक को एनईआरएल द्वारा एम्पॅनल किया गया है

राजस्थान के 15 जिलों में एनईआरएल के साथ eNWR के सामने ऋण के संवितरण के लिए आरएमजीबी द्वारा एक करार किया गया है.

40 राष्ट्रीयकृत,नीजि तथा को-ऑपरेटिव बैंक नैशनल ई-रिपॉझिटरी लि.द्वारा एम्पॅनल किये गये हैं. (एनईआरएल) अब eNWR के सामने ऋण देते हैं

07 सितंबर 2021 ,जोधपुर : नैशनल ई-रिपॉझिटरी लिमिटेड (एनईआरएल),एक रिपॉझिटरी,जो नैशनल कोमोडिटी डेरिवेटिव्ज एक्सचेंज लिमिटेड (एनसीडीईएक्स) द्वारा, इलेक्ट्रॉनिक नेगोशिएबल वेअरहाउस रिसिप्ट (eNWR) निर्मित किये जाने के लिए,प्रवर्तित रिपॉझिटरी ने हाल ही में,eNWR के सामने ऋण संवितरित करने के लिए,राजस्थान मरुधारा ग्रामीण बैंक, जिनका प्रधान कार्यालय जोधपुर में है,के साथ प्लेजी के रुप में एक करार किया है.

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रवर्तित, आरएमजीबी, eNWR के सामने,जमाकर्ताओं तथा किसानों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए,एनईआरएल के साथ का 40 वां बैंक बन गया है.यह राजस्थान के 15 जिलों में मौजूद है -जोधपुर, जालोर,पाली,सिरोही,जयपुर,नागौर,दौसा,जैसलमेर,बाडमेर,बिकानेर,श्री गंगानगर,हनुमानगढ़,उदयपुर,राजसमंद और प्रतापगढ़.

प्लेजीस के रुप में एनईआरएल के बोर्ड पर आने के लिए हम खुश हैं,फिजिकल रसीद के मुकाबले eNWR निश्चित ही एक बेहतर लिखत है तथा बैंकर्स को अधिक पारद´र्शकता (ट्रान्सपेरंसी)और आत्मविश्वास प्रस्तावित करता है.श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता,जनरल मैनेजर,आरएमजीबी,ने कहा,''हम एनईआरएल के साथ काम करने तथा ऋण पाने के लिए eNWR को एक सामान्य वित्तीय लिखत बनाने को उत्सुक हैं.''

श्री केदार देशपांडे,एमडी एवं सीईओ,एनईआरएल, ने कहा,''अभिनव तकनीकी सिस्टम्स का उपयोग करते हुए, कोमोडिटी बाजार में,किसानों,ट्रेडर्स,संसाधकों (प्रोसेसर्स),तथा सभी वॅल्यु चेन प्रतिभागियों को सपोर्ट करने पर एनईआरएल कार्य कर रहा है. eNWR जोखिम को तथा सामान्यतः फिजिकल रसीद के साथ जुडी बाधाओं को कम करती है,और जिस तरह से इस लिखत में विश्वास दर्शाते हुए बैंक आगे आ रहे हैं,उसे देखते हुए हमें खुशी हो रही है.

eNWR,एनईआरएल जैसी रिपॉझिटरीज द्वारा निर्मित एक डिजिटल स्वरुप की मालगोदाम रसीद है जो कि,वेअर हाउसिंग डेवलॅपमेंट एंड रेग्युलेटरी अथॉरिटी (डब्ल्युडीआर ए) ऑफ इंडिया द्वारा नियंत्रित की जाती है. eNWR, एनईआरएल के साथ यूनीक रिपॉझिटरी खातों में उसी तरह रखी जाती है,जैसे बैंक खातों में निधियां रखी जाती हैं. eNWR के स्वामित्व का अंतरण,सामान्य डिजीटल रिपॉझिटरी अकाउंट ट्रान्सफर के जरिए किया जाता है.इस पद्धति से जोखिमों तथा बाधाओं को कम किया जाता है जो सामान्यतया पेपरवर्क के साथ जुडी होती हैं.परिणाम- -स्वरुप,रिपॉझिटरी एनवाइरनमेंट में लेनदेन करने की लागत,फिजिकल वेअरहाउस रिसिप्ट में लेनेदेन करने के मुकाबले काफी कम होती है.

- आज की तारीख पर,40 राष्ट्रीयकृत,नीजि तथा को-ऑपरेटिव बैंक नैशनल ई-रिपॉझिटरी लि.के बोर्ड पर हैं,तथा eNWR,के समाने ऋण संवितरित कर रहे हैं.
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया,आईसीआईसीआई बैंक, बैंक ऑफ बडौदा,सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया,और पंजाब नैशनल बैंक जैसे राष्ट्रीय स्तर पर मौजूद बैंक भी,एनईआरएल प्लेटफॉर्म पर eNWR,के समाने ऋण संवितरित कर रहे हैं.
- 31 जुलाई 2021 तक, एनईआरएल प्लेटफॉर्म पर 1,300 करोड से अधिक मूल्य के ऋण संवितरित किये गये हैं
- 31 जुलाई 2021 तक,एनईआरएल प्लेटफॉर्म पर, 10,700 करोड से अधिक मूल्य की eNWR निर्मित की गयी हैं.
- 31 जुलाई 2021 तक,एनईआरएल के साथ 5,000 से अधिक सक्रिय खाते खोले गये हैं --1,371 किसान खाते तथा 171 एफपीओ खाते.
- 31 जुलाई 2021 तक,एनईआरएल प्लेटफॉर्म पर,33,9 लाख एमटी से अधिक के कोमोडिटी जमा किये गये हैं.

किसी प्रकार की पूछताछ के लिए निम्न से संपर्क करें :

अनिशा नायर
नैशनल ई-रिपॉझिटरी लिमिटेड
मोबाइल :91-9717013399
ई-मेल: *anisha.nair@nerlindia.com*

नैशनल ई-रिपॉझिटरी लिमिटेड के बारे में

नैशनल ई -रिपॉझिटरी लिमिटेड (एनईआरएल),एक रिपॉझिटरी,जो इलेक्ट्रॉनिक नेगोशिएबल वेअरहाऊस रिसिप्ट्स का प्रबंधन करते है,और जो eNWR के रुप में भी जाने जाते हैं,उसे इलेक्ट्रॉनिक स्वरुप में कोमोडिटीज के लिए नेगोशिएबल वेअरहाऊस रिसिप्ट जारी करने के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के लिए,सबसे बडे एग्री कोमोडिटी डेरिवेटिव्ज एक्सचेंज,नैशनल कोमोडिटी एंड डेरिवेटिव्ज एक्सचेंज लिमिटेड (एनसीडीईएक्स) द्वारा समाविष्ट किया गया था.भारत में कोमोडिटी रिपॉझिटरी,एनईआरएल,ने,वेअरहाउसिंग डेवलपमेंट एंड रेग्युलेटरी अथॉरिटी (डब्ल्युडीआरए) के तत्वाधान में,26 सितंबर 2017 को उनका परिचालन आरंभ किया था.एनईआरएल के शेयरधारकोंमें,एनसीडीईएक्स के अलावा,नैशनल बैंक ऑफ एग्रीकल्चर एंड रुरल डेवलपमेंट (नाबार्ड),आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड तथा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शामिल हैं.भारतीय कृषि बाजार को सेवाएं देने के लिए,ऐसा यूनीक प्रतिशत रिपॉझिटरी के लिए उसे एक यूनीक प्रोपोजिशन बनाता है.ऐसे सोल्युशन्स को विकसित करने द्वारा,जो कुशलता केा बढ़ाते हैं और जोखिम तथा लागतों को कम करते हैं,इलेक्ट्रॉनिक नेगोशिएबल वेअरहाऊस रिसिप्ट्स (eNWR) की सेफ्टी एंड साउंडनेस को सुनिश्चित करना उसका लक्ष्य है.सेवाओं को विकसित करने में,एनईआरएल,एक शांत मगर केंद्रीय भूमिका निभाता है जो भारतीय कोमोडिटी बाजारों की बढ़ती आवश्यकताओं को पोषित करना जारी रखेगा.

फोटो कॅप्शनः (बायें से दांये) राजेन्द्र कुमार गुप्ता, जनरल मैनेजर आरएमजी बी तथा श्री विनीत गुप्ता, वी.पी.कारोबार विकास, एनईआरएल.